

न्यूज ब्रीफ

एसआईआर का कार्य कर लौट रहे लिपिक सड़क हादसे में जखी

शाहबाद, अमृत विचार: नगर पंचायत कार्यालय में तैनात लिपिक नवेद भियां साथी रेहन अहमद के साथ एसआईआर के काम से तोहसील जा रहे थे। शाहबाद दक्षिण मार्ग पर किंतु उनकी बाइक दुर्घटनाग्रस्त हो गई। हादसे में जखी नवेद को रेहन ने राहगीरों की मदद से सीधे चौकरी में भर्ती कराया। चिकित्सकों के उनका उपचार किया। पुलिस ने बताया कि अभी किसी के खिलाफ तहरीर नहीं दी गई है। तहरीर मिलें पर कार्रवाई की जाएगी।

वक्फ संपत्तियों का शीघ्र करवाएं

रजिस्ट्रेशन: मुस्तफा

रामपुर, अमृत विचार: उमीद पोर्टल पर वक्फ संपत्तियों को रजिस्टर करने की छह महीने की अवधि शुरुकर का समाप्त हो रही, लेकिन लालों संपत्तियों अब भी रजिस्ट्रेशन से बाहर हैं। ऐसे में उन्हें राहत देने हुए केंद्र सरकार ने वक्फ संपत्तियों के जीजीकरण के लिए 3 महीने की राहत की निर्णय दिया है। जिस पर जिला पंचायत सदरमय उर हमान बक, इकरा हसन, रुचि वीरा, सासद मोहिबुल्लाह नवीनी आदि नेताओं ने वक्फ संपत्तियों के रजिस्ट्रेशन का समय बढ़ने की मांग की थी। जिस पर केंद्रीय मंत्री का आभार जारीया है। मुस्तफा हुमें ने कहा कि सासद जिया उर हमान बक, इकरा हसन, रुचि वीरा, सासद मोहिबुल्लाह नवीनी आदि नेताओं ने वक्फ संपत्तियों के रजिस्ट्रेशन का समय तीन माह बढ़ा दिया है।

बाइक चोरी की अज्ञात परिपोर्ट

स्वार, अमृत विचार: दुकान के बाहर खड़ी एक बाइक को अज्ञात चोर उड़ा ले गया। पीड़ित की हत्तीर पर पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर चोरी गई बाइक की तलाश शुरू कर दी है। कोतवाली के गांव समाजियों निवासी प्रोटोकुरार ने कोतवाली संघर्ष को तहरीर दी है। 11 दिवंगर को गांव समोदिया किया काम रेस इलाम बल्ली नाई की दुकान पर गया था। बाइक दुकान के बाहर खड़ी थी। इसी दोरान किसी चोर ने मौके का फायदा उठाकर बाइक को चोरी कर ले गया पीड़ित ने दिवंगर को गांव समोदिया की तरीकी से तात्पुरता देने वाली दो दिनों के लिए चोरी कर ले गया। बाइक दुकान के लिए चोरी की गई। ऐसे विक्रेता ने दुकान देने वाली दो दिनों के लिए चोरी कर ले गया। 12 दुकानदारों पर जुमाने की कार्रवाई की गई। ऐसे विक्रेता जो कोटपा अधिनियम का उन्मानन करने के लिए चोरी कर ले गया।

तंबाकू बेचने पर 12 दुकानदारों से वसूला गया जुर्माना

तंबाकू बेचने पर दुकानदार के खिलाफ कार्रवाई करती टीम। ● अमृत विचार

रामपुर, अमृत विचार: तंबाकू मुक्त युवा अधियान भाग 3.0 के तहत तंबाकू नियन्त्रण प्रक्रोड के जिला सलाहकार दांस, शहजाद हसन खान द्वारा शुरू करोंगा को आक्रमण अधिनियम अंतर्गत महा अधियान चलाया गया।

एचटीयू की टीम के साथ धनोरा क्षेत्र के तंबाकू विक्रेताओं की दुकानों को चेक किया गया। 12 दुकानदारों पर जुमाने की कार्रवाई की गई। ऐसे विक्रेता जो कोटपा अधिनियम का उन्मानन करने के लिए चोरी कर ले गया।

कार्यक्रम का शुभारंभ रंग-बिरंगे गुज्जों आकाश में उड़ाकर किया। प्रधानाचार्य डॉ. सुमन तोमर ने कहा कि ऐसे आयोजन बच्चों में आत्मविश्वास, टीम-वर्क और अनुशासन की भावना को बढ़ावा देते हैं। उन्होंने फिट फैमिलीज थीम फिट मैलीज, हैप्पी हार्ट्स रखी। बच्चों ने बम-बम भोले नृत्य ने बातावरण को ऊर्जावान बनाया।

कार्यक्रम का शुभारंभ रंग-बिरंगे गुज्जों आकाश में उड़ाकर किया। प्रधानाचार्य डॉ. सुमन तोमर ने कहा कि ऐसे आयोजन बच्चों में आत्मविश्वास, टीम-वर्क और अनुशासन की भावना को बढ़ावा देते हैं। उन्होंने फिट फैमिलीज थीम फिट मैलीज, हैप्पी हार्ट्स रखी। बच्चों ने बम-बम भोले नृत्य ने बातावरण को ऊर्जावान बनाया।

बम-बम भोले पर थिरके नहे मुन्ने कार्यालय संवाददाता, रामपुर

अमृत विचार: दयावती मोदी अकादमी के डीएम वाटिका प्लॉ के बींग में शुरू कर के वार्षिक क्रीड़ा उत्सव हॉलोलास के साथ मनाया। उत्सव की थीम फिट मैलीज, हैप्पी हार्ट्स रखी। बच्चों ने बम-बम भोले नृत्य ने बातावरण को ऊर्जावान बनाया।

कार्यक्रम का शुभारंभ रंग-बिरंगे गुज्जों आकाश में उड़ाकर किया। प्रधानाचार्य डॉ. सुमन तोमर ने कहा कि ऐसे आयोजन बच्चों में आत्मविश्वास, टीम-वर्क और अनुशासन की भावना को बढ़ावा देते हैं। उन्होंने फिट फैमिलीज थीम फिट मैलीज, हैप्पी हार्ट्स रखी। बच्चों ने बम-बम भोले नृत्य ने बातावरण को ऊर्जावान बनाया।

बम-बम भोले पर थिरके नहे मुन्ने कार्यालय संवाददाता, रामपुर

अमृत विचार: दयावती मोदी अकादमी के डीएम वाटिका प्लॉ के बींग में शुरू कर के वार्षिक क्रीड़ा उत्सव हॉलोलास के साथ मनाया। उत्सव की थीम फिट मैलीज, हैप्पी हार्ट्स रखी। बच्चों ने बम-बम भोले नृत्य ने बातावरण को ऊर्जावान बनाया।

बम-बम भोले पर थिरके नहे मुन्ने कार्यालय संवाददाता, रामपुर

अमृत विचार: दयावती मोदी अकादमी के डीएम वाटिका प्लॉ के बींग में शुरू कर के वार्षिक क्रीड़ा उत्सव हॉलोलास के साथ मनाया। उत्सव की थीम फिट मैलीज, हैप्पी हार्ट्स रखी। बच्चों ने बम-बम भोले नृत्य ने बातावरण को ऊर्जावान बनाया।

बम-बम भोले पर थिरके नहे मुन्ने कार्यालय संवाददाता, रामपुर

अमृत विचार: दयावती मोदी अकादमी के डीएम वाटिका प्लॉ के बींग में शुरू कर के वार्षिक क्रीड़ा उत्सव हॉलोलास के साथ मनाया। उत्सव की थीम फिट मैलीज, हैप्पी हार्ट्स रखी। बच्चों ने बम-बम भोले नृत्य ने बातावरण को ऊर्जावान बनाया।

बम-बम भोले पर थिरके नहे मुन्ने कार्यालय संवाददाता, रामपुर

अमृत विचार: दयावती मोदी अकादमी के डीएम वाटिका प्लॉ के बींग में शुरू कर के वार्षिक क्रीड़ा उत्सव हॉलोलास के साथ मनाया। उत्सव की थीम फिट मैलीज, हैप्पी हार्ट्स रखी। बच्चों ने बम-बम भोले नृत्य ने बातावरण को ऊर्जावान बनाया।

बम-बम भोले पर थिरके नहे मुन्ने कार्यालय संवाददाता, रामपुर

अमृत विचार: दयावती मोदी अकादमी के डीएम वाटिका प्लॉ के बींग में शुरू कर के वार्षिक क्रीड़ा उत्सव हॉलोलास के साथ मनाया। उत्सव की थीम फिट मैलीज, हैप्पी हार्ट्स रखी। बच्चों ने बम-बम भोले नृत्य ने बातावरण को ऊर्जावान बनाया।

बम-बम भोले पर थिरके नहे मुन्ने कार्यालय संवाददाता, रामपुर

अमृत विचार: दयावती मोदी अकादमी के डीएम वाटिका प्लॉ के बींग में शुरू कर के वार्षिक क्रीड़ा उत्सव हॉलोलास के साथ मनाया। उत्सव की थीम फिट मैलीज, हैप्पी हार्ट्स रखी। बच्चों ने बम-बम भोले नृत्य ने बातावरण को ऊर्जावान बनाया।

बम-बम भोले पर थिरके नहे मुन्ने कार्यालय संवाददाता, रामपुर

अमृत विचार: दयावती मोदी अकादमी के डीएम वाटिका प्लॉ के बींग में शुरू कर के वार्षिक क्रीड़ा उत्सव हॉलोलास के साथ मनाया। उत्सव की थीम फिट मैलीज, हैप्पी हार्ट्स रखी। बच्चों ने बम-बम भोले नृत्य ने बातावरण को ऊर्जावान बनाया।

बम-बम भोले पर थिरके नहे मुन्ने कार्यालय संवाददाता, रामपुर

अमृत विचार: दयावती मोदी अकादमी के डीएम वाटिका प्लॉ के बींग में शुरू कर के वार्षिक क्रीड़ा उत्सव हॉलोलास के साथ मनाया। उत्सव की थीम फिट मैलीज, हैप्पी हार्ट्स रखी। बच्चों ने बम-बम भोले नृत्य ने बातावरण को ऊर्जावान बनाया।

बम-बम भोले पर थिरके नहे मुन्ने कार्यालय संवाददाता, रामपुर

अमृत विचार: दयावती मोदी अकादमी के डीएम वाटिका प्लॉ के बींग में शुरू कर के वार्षिक क्रीड़ा उत्सव हॉलोलास के साथ मनाया। उत्सव की थीम फिट मैलीज, हैप्पी हार्ट्स रखी। बच्चों ने बम-बम भोले नृत्य ने बातावरण को ऊर्जावान बनाया।

बम-बम भोले पर थिरके नहे मुन्ने कार्यालय संवाददाता, रामपुर

अमृत विचार: दयावती मोदी अकादमी के डीएम वाटिका प्लॉ के बींग में शुरू कर के वार्षिक क्रीड़ा उत्सव हॉलोलास के साथ मनाया। उत्सव की थीम फिट मैलीज, हैप्पी हार्ट्स रखी। बच्चों ने बम-बम भोले नृत्य ने बातावरण को ऊर्जावान बनाया।

बम-बम भोले पर थिरके नहे मुन्ने कार्यालय संवाददाता, रामपुर

अमृत विचार: दयावती मोदी अकादमी के डीएम वाटिका प्लॉ के बींग में शुरू कर के वार्षिक क्रीड़ा उत्सव हॉलोलास के साथ मनाया। उत्सव की थीम फिट मैलीज, हैप्पी हार्ट्स रखी। बच्चों ने बम-बम भोले नृत्य ने बातावरण को ऊर्जावान बनाया।

बम-बम भोले पर थिरके नहे मुन्ने कार्यालय संवाददाता, रामपुर</

न्यूज ब्रीफ

पुलिस ने तस्कर
पकड़ा, चरस बरामद
सेंदगली, अमृत विचार: पुलिस ने तस्कर को पकड़ा, उसके पास से 115 ग्राम चरस, 550 रुपये नकद और इलेक्ट्रोनिक कांटा भी बरामद किया गया है। थाना अरोपी विकास सहसरावत ने बताया थें कि दौरान सेंदगली सेंदगली पार्स एवं रहने पुल के पासपै से अरोपी नाजिम को पकड़ा है। अरोपी मुरादाबाद के थाना मैतारे क्षेत्र का निवासी है। पुलिस ने अरोपी को पिरपतर करके जेल भेज दिया है।

जीजा के साथ रहने की जिद पर अड़ी साली

हसनपुर, अमृत विचार: कोतवाली क्षेत्र के एक गांव निवासी युवती जीजा के साथ रहने की जिद पर अड़ गई।

गुरुवार की दो शाम एक ग्रामीण दो बैटियों के साथ कोतवाली पहुंचा उसकी छोटी भूती जीजा के साथ रहने की जिद पर अड़ी गई। युवती को कहा गया है कि उसके अरोपी जीजा की बैठक बाहर सालों से प्रेम संबंध है। वह पहली ही शादी कर चुके हैं। जीजा ने भी युवती से प्रेम संबंध की बात स्वीकार की है। इस बात की लेकर थाने में काफी देर तक हांगामा चलता रहा। पुलिस ने युवती को समझाकर पिता के साथ भेज दिया।

रोडवेज बस और ट्रक की टक्कर, दो घायल

डिलोली, अमृत विचार: डिलोली कोतवाली क्षेत्र में शुक्रवार खुल्ह अमरोहा डिपो की रोडवेज बस एक ट्रक से टकरा गई। हादसे में बस चालक किन्नपाल को मामूली घोटे आई हैं, जबकि परिचालक प्रहलाद सिंह की टांग में टूट गई। ग्रामीण राही की घटना के दौरान किसी भी यात्री को घोट नहीं आई। यात्रियों को तत्काल दुर्सी बस में बिटाकर आगे रवाना कर दिया गया घटना की जाकरी मिलते ही स्थानीय पुलिस भी मोके पर पहुंची और राहत कार्यों में सहयोग किया।

चोरी कर रहे आरोपी को पुलिस को सौंपा गजरोला, अमृत विचार: शहर के रमावाली डिपो के निकट पानी की टॉकी से शुक्रवार की दोपहर एक युवक लोहे की पाण चोरी कर रहा। वह दो शाम एक ग्रामीण दो बैटियों के बाहर साथ रहने वाले दो लोगों ने उसे चोरी करने से रो हाथी पकड़ लिया। सुकरान मिलने पर पालिका के कार्यालय भी मोके पर पहुंचे। उन्होंने आरोपी को पकड़कर पीटा और शुरू कर दिया, जिससे काफी देर तक वहां हांगामा होता रहा। मौके पर पहुंची पुलिस को आरोपी को सौंप दिया गया।

छुट्टा पशुओं से निजात दिलाने को दिया धरना

भाकियू लोकावित एसडीएम को ज्ञापन सौंपते हुए।

हसनपुर, अमृत विचार: भारतीय किसान यूनियन (लोक शक्ति) ने शुक्रवार को मुख्यमंत्री को संबोधित करने वाले उन्नेको देर तक पशुओं से निजात दिलाने को दिया धरना। एसडीएम के दो दोस्त जिसमें एक ज्ञापन दिलाने की अधिकारी भी थीं।

भुवंदी की गई हैं उसको शीघ्र ही ठीक कराया जाए। जबकि गांव गलसुआ में सड़कों की दिश्ति काफी खुल्ह रही है। छुट्टा पशुओं द्वारा किसानों की जान माल को जो खतरा है। उसका शीघ्र ही समाधान किया जाए। सैद्ध नगरी के गांव इसापुर शर्करा में चोरी का खुलासा अभी तक नहीं हुआ है।

किसानों ने कहा कि गांव में पानी की टंकी की द्वारा जो सड़क की

धरना और प्रदर्शनकारियों ने बताया कि सरकार ने अॅनलाइन हाजिरी लगावाना शुरू किया है। जबकि उनसे एक विभागीय कार्य लिए जा रहे हैं। इसका आसर उनके कर्तव्य पालन पर पड़ रहा है।

धरना का अधिकारी करने वाले उनके बाहर साथ रहने वाले अधिकारी ने बताया कि गांव अपने अधिकारीयों और ग्राम विकास अधिकारीयों ने शुक्रवार को ब्लॉक परिसर में हाथ पर कार्य करवाया।

इसके अंतिम दिन, 10 दिसंबर से अधिकारीयों ने जिसका आवाजान करने वाला अधिकारी ने बताया कि गांव अपने अधिकारीयों और ग्राम विकास अधिकारीयों ने शुक्रवार को ब्लॉक परिसर में हाथ पर कार्य करवाया।

इसके अंतिम दिन, 10 दिसंबर से अधिकारीयों ने जिसका आवाजान करने वाला अधिकारी ने बताया कि गांव अपने अधिकारीयों और ग्राम विकास अधिकारीयों ने शुक्रवार को ब्लॉक परिसर में हाथ पर कार्य करवाया।

इसके अंतिम दिन, 10 दिसंबर से अधिकारीयों ने जिसका आवाजान करने वाला अधिकारी ने बताया कि गांव अपने अधिकारीयों और ग्राम विकास अधिकारीयों ने शुक्रवार को ब्लॉक परिसर में हाथ पर कार्य करवाया।

इसके अंतिम दिन, 10 दिसंबर से अधिकारीयों ने जिसका आवाजान करने वाला अधिकारी ने बताया कि गांव अपने अधिकारीयों और ग्राम विकास अधिकारीयों ने शुक्रवार को ब्लॉक परिसर में हाथ पर कार्य करवाया।

इसके अंतिम दिन, 10 दिसंबर से अधिकारीयों ने जिसका आवाजान करने वाला अधिकारी ने बताया कि गांव अपने अधिकारीयों और ग्राम विकास अधिकारीयों ने शुक्रवार को ब्लॉक परिसर में हाथ पर कार्य करवाया।

इसके अंतिम दिन, 10 दिसंबर से अधिकारीयों ने जिसका आवाजान करने वाला अधिकारी ने बताया कि गांव अपने अधिकारीयों और ग्राम विकास अधिकारीयों ने शुक्रवार को ब्लॉक परिसर में हाथ पर कार्य करवाया।

इसके अंतिम दिन, 10 दिसंबर से अधिकारीयों ने जिसका आवाजान करने वाला अधिकारी ने बताया कि गांव अपने अधिकारीयों और ग्राम विकास अधिकारीयों ने शुक्रवार को ब्लॉक परिसर में हाथ पर कार्य करवाया।

इसके अंतिम दिन, 10 दिसंबर से अधिकारीयों ने जिसका आवाजान करने वाला अधिकारी ने बताया कि गांव अपने अधिकारीयों और ग्राम विकास अधिकारीयों ने शुक्रवार को ब्लॉक परिसर में हाथ पर कार्य करवाया।

इसके अंतिम दिन, 10 दिसंबर से अधिकारीयों ने जिसका आवाजान करने वाला अधिकारी ने बताया कि गांव अपने अधिकारीयों और ग्राम विकास अधिकारीयों ने शुक्रवार को ब्लॉक परिसर में हाथ पर कार्य करवाया।

इसके अंतिम दिन, 10 दिसंबर से अधिकारीयों ने जिसका आवाजान करने वाला अधिकारी ने बताया कि गांव अपने अधिकारीयों और ग्राम विकास अधिकारीयों ने शुक्रवार को ब्लॉक परिसर में हाथ पर कार्य करवाया।

इसके अंतिम दिन, 10 दिसंबर से अधिकारीयों ने जिसका आवाजान करने वाला अधिकारी ने बताया कि गांव अपने अधिकारीयों और ग्राम विकास अधिकारीयों ने शुक्रवार को ब्लॉक परिसर में हाथ पर कार्य करवाया।

इसके अंतिम दिन, 10 दिसंबर से अधिकारीयों ने जिसका आवाजान करने वाला अधिकारी ने बताया कि गांव अपने अधिकारीयों और ग्राम विकास अधिकारीयों ने शुक्रवार को ब्लॉक परिसर में हाथ पर कार्य करवाया।

इसके अंतिम दिन, 10 दिसंबर से अधिकारीयों ने जिसका आवाजान करने वाला अधिकारी ने बताया कि गांव अपने अधिकारीयों और ग्राम विकास अधिकारीयों ने शुक्रवार को ब्लॉक परिसर में हाथ पर कार्य करवाया।

इसके अंतिम दिन, 10 दिसंबर से अधिकारीयों ने जिसका आवाजान करने वाला अधिकारी ने बताया कि गांव अपने अधिकारीयों और ग्राम विकास अधिकारीयों ने शुक्रवार को ब्लॉक परिसर में हाथ पर कार्य करवाया।

इसके अंतिम दिन, 10 दिसंबर से अधिकारीयों ने जिसका आवाजान करने वाला अधिकारी ने बताया कि गांव अपने अधिकारीयों और ग्राम विकास अधिकारीयों ने शुक्रवार को ब्लॉक परिसर में हाथ पर कार्य करवाया।

इसके अंतिम दिन, 10 दिसंबर से अधिकारीयों ने जिसका आवाजान करने वाला अधिकारी ने बताया कि गांव अपने अधिकारीयों और ग्राम विकास अधिकारीयों ने शुक्रवार को ब्लॉक परिसर में हाथ पर कार्य करवाया।

इसके अंतिम दिन, 10 दिसंबर से अधिकारीयों ने जिसका आवाजान करने वाला अधिकारी ने बताया कि गांव अपने अधिकारीयों और ग्राम विकास अधिकारीयों ने शुक्रवार को ब्लॉक परिसर में हाथ पर कार्य करवाया।

इसके अंतिम दिन, 10 दिसंबर से अधिकारीयों ने जिसका आवाजान करने वाला अधिकारी ने बताया कि गांव अपने अधिकारीयों और ग्राम विकास अधिकारीयों ने शुक्रवार को ब्लॉक परिसर में हाथ पर कार्य करवाया।

इसके अंतिम दिन, 10 दिसंबर से अधिकारीयों ने जिसका आवाजान करने वाला अधिकारी ने बताया कि गांव अपने अधिकारीयों और ग्राम विकास अधिकारीयों ने शुक्रवार को ब्लॉक परिसर में हाथ पर कार्य करवाया।

इसके अंतिम दिन, 10 दिसंबर से अधिकारीयों ने जिसका आवाजान करने वाला अधिकारी ने बताया कि गांव अपने अधिकारीयों और ग्राम विकास अधिकारीयों ने शुक्रवार को ब्लॉक परिसर में हाथ पर कार्य करवाया।

इसके अंतिम दिन, 10 दिसंबर से अधिकारीयों ने जिसका आवाजान करने वाला अधिकारी ने बताया कि गांव अपने अधिकारीयों और ग्राम विकास अधिकारीयों ने शुक्रवार को ब्लॉक परिसर में हाथ पर कार्य करवाया।

इसके अंतिम दिन, 10 दिसंबर से अधिकारीयों ने जिसका आवाजान करने वाला अधिकारी ने बताया कि गांव अपने अधिकारीयों और ग्राम विकास अधिकारीयों ने शुक्रवार को ब्लॉक परिसर में हाथ पर कार्य करवाया।

इसके अंतिम दिन, 10 दिसंबर से अधिकारीयों ने जिसका आवाजान करने वाला अधिकारी ने बत

प्रकृति के जितने करीब जाओ, उतना ही वह नए रूप में हमारे सामने आती है। बात उतराखण्ड की हो, तो इस देवभूमि में अनेक रहस्यमय स्थान है, जिनके दर्शन आपको मंत्रमुग्ध कर देंगे। ऐसा ही एक स्थान कुमाऊं मंडल के पिथौरागढ़ जनपद में गंगोलीहाट कस्बे के समीप भुवनेश्वर गांव में है। यह है पाताल भुवनेश्वर गुफा। प्रकृति का एक अनबूझ रहस्य, जिसके लोक में पहुंचकर युगों-युगों का इतिहास एक साथ प्रकट हो जाता है। गुफा के भीतर लगभग उबड़-खाबड़, टेढ़े-मेढ़े पत्थरों पर पैर टिकाकर 84 सीढ़ियों से होकर गुजरते हुए आप पाताल लोक में पहुंच जाते हैं। अंदर की अद्भुत दुनिया रोमांचित कर देती है। छोटी बड़ी विभिन्न देवी-देवताओं व पशु पक्षियों के आकार की शिलाएं। एक ऐसा रचना संसार, जिसकी बाहर रहते आपने कभी कल्पना भी नहीं कि होगी। घरती के भीतर बड़ी गुफा, जो कई भागों में बंट जाती है। बीच में मैदानी हिस्से भी फैले हुए हैं। गुफा के रास्ते के दोनों ओर जंजीर लगाई गई है, जिसे पकड़कर

जिसकी बाहर रहते आपने कभी कल्पना भी नहीं कि होगी। धरती के भीतर बड़ी गुफा, जो कई भागों में बंट जाती है। बीच में मैदानी हिस्से भी फैले हुए हैं। गुफा के रास्ते के दोनों ओर जंजीर लगाई गई है, जिसे पकड़कर यात्री आते-जाते हैं। गुफा में जाने के लिए फीस भी रखी गई है।

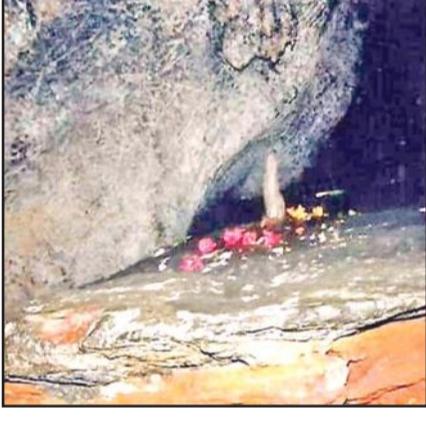
रहस्य

ਏਹਾਂ ਯਾਦ ਪਾਤਾਲ ਲਾਕ ਫਿ ਦੁਨਿਆ



भारतीय पुरातत्व विभाग के अधीन

स्कंद पुराण के 103 वें अध्याय में पाताल भुवनेश्वर गुफा का वर्णन है, जिसमें व्यास जी ने कहा है कि मैं एक ऐसी जगह का वर्णन करता हूँ, जिसके पूजन करने के संबंध में तो कहना ही क्या, जिसका स्मरण और स्पर्श मात्र करने से सारे पाप नष्ट हो जाते हैं। वह सरयू रामांग के मध्य पाताल भुवनेश्वर है। वर्ष 2007 से यह गुफा भारतीय पुरातत्व विभाग के अधीन है। भुवनेश्वर गांव निवासी स्वार्यीय मेजर समीर कोतवाल की स्मृति में गांव से गुफा की ओर जाने वाले मार्ग में बने प्रवेश द्वार को 'समीर द्वार' नाम दिया गया है। मेजर समीर 28 अगस्त 1999 को असम में उग्रवादियों से लड़ते हुए शहीद हुए थे। द्वार के बगल में मेजर की प्रस्तर प्रतिमा भी स्थापित है।



गुफा में चौपड़ की आकृति

यह भी माना जाता है कि अपने अज्ञातवास में पांडव भी यहां आए थे। उन्होंने कुछ समय इस गुफा में वास किया था। गुफा के भीतर चौपड़ की आकृति भी बनी हुई है। 822 ई. में अपनी दिग्विजय यात्रा के दौरान आदि गुरु शंकराचार्य भी यहां आए। उन्होंने गुफा के अंदर एक जगह पर तांबे का शिवलिंग स्थापित किया। गुफा में जाने वाले श्रद्धालु इस शिवलिंग की पूजा अर्चना करते हैं। भुवनेश्वर गांव से कुछ ही दूर देवदार के घने बन के मध्य स्थित है- पाताल भुवनेश्वर गुफा। गुफा का प्रवेश द्वार लगभग चार फिट लंबा और डेढ़ फिट चौड़ा है। अत्यंत संकरी, फिसलनदार गुफा में टेढ़े-मेढ़े पथरों की सीढ़ी पर सावधानी से सांकल पकड़कर तीस फिट नीचे उतरना पड़ता है। एक बार में एक ही व्यक्ति उतर पाता है। उतरते ही नीचे एक बड़े मैदान में आप खुद को पाते हैं, जहां से तीन ओर को लंबी-लंबी सुरंगें चली जाती हैं। धरती के भीतर एक अनोखी दुनिया, जिसकी आपने कभी कल्पना भी नहीं की होगी। यहां चट्टानों में प्राकृतिक कलाकृतियां हैं, जिन्हें पौराणिक कथाओं व मिथकों से जोड़ा गया है।

गण्ड बताता है कि आप शेषनाग के शरार का हाथुया पर चल रहे हैं और आपके सिर के ऊपर शेषनाग का बना है। सुनते ही रौंगटे खड़े हो जाते हैं। गहराई से देखेंगे तो आप वास्तव में महसूस करेंगे कि कुदरत द्वारा तराशे पत्थरों में नाग बन फैलाए है। फन के दाँड़ तरफ ऐरावत हाथी विराजमान हैं। जमीन में बिल्कुल झुककर भूमि से चंद इंच की दूरी पर चट्टानों में हाथी के तराशे हुए पैरों को देखकर आपको मानना ही पड़ेगा कि आप जो सुन रहे हैं वो सच है।

ଲାବ ବଙ୍କ୍ଷେ

जीत जाएंगे हम
तू अगर संग है

कहत है कि प्यार का शुरुआत अक्सर सबस आम पला म छुपा हाता है, लाकन उसकी गहराई और असर वक्त के साथ हमारे जीवन को बदल देता है। हमारी पहली मुलाकात किसी रोमांटिक जगह पर नहीं, बल्कि एक बहुत साधारण-सी सुबह बुंदलखंड यूनिवर्सिटी के गेट पर हुई थी। शैफाली अपनी क्लास के लिए भाग रही थी और मैं (शिव) अपने बीटेक की डिग्री लेने यूनिवर्सिटी पहुंचा था। अचानक भीड़ में शैफाली का बैग थोड़ा उलझा और वह लड़खड़ा गई। मैंने तुरंत हाथ बढ़ाकर उसे संभाल लिया। “आप ठीक हैं?” मैंने पूछा। शैफाली ने हल्की-सी शर्मिली मुस्कान के साथ कहा, “हां, बस दिन की शुरुआत थोड़ी नाटकीय हो गई।” हम दोनों अलग हो गए, पर उस एक पल ने दोनों के दिमाग में एक छोटी-सी जगह बना ली। अगले ही हफ्ते, किस्मत ने फिर करवट ली। शैफाली अपने कॉलेज की तरफ से साईंस प्रोजेक्ट की एक प्रदर्शनी में आई थी और मैं वहां पर एक जज पैनल के रूप में आया था। मैंने उसे देखा और मुस्कुरा दिया। “फिर मिल ही गए,” उसने कहा। “लगता है शहर छोटा है या किस्मत बड़ी,” शैफाली ने चृटकी ली।

राहर छाला ह वा किस्मत थड़ी, रागला न
इस बार बातचीत लंबी चली। कला, का-
याएं दोनों को पता ही नहीं चला कि कब दो-
अपनी दुनिया एक-दूसरे के सामने खोले-
मैं दिल्ली वापस लौट आया, परंतु फोन पर
बातें चलने लगी धीरे-धीरे हम एक-दूसरे के-
दुनिया में सहज होने लगे। मुलाकातें तो
कम होती थीं, परंतु शैफाली का केरारिंग
नेचर, मुस्कान और सादापन मुझे उसकी
तरफ खींचने लग गया। मैंने शैफाली
को आजादी, सपने देखना और खुद
पर भरोसा करना सिखाया। कई सालों
की फोन पर बात और छोटी-छोटी
मुलाकातों के बाद हमने तय किया
कि यह कहानी सिर्फ़ 'मुलाकात' तक
सीमित नहीं रहेगी, यह रिश्ता अब
साझेदारी, विश्वास और प्यार की नई
शरूआत बनेगी।

सफर अपन आप सुदर हा
जाता है।”
-शिवमोहन और
सौभाग्यी कानापा

जौब का पहला दिन

२०८ हुआ जीवन का एक नया अध्याय

जगवन का कातपय अनुभव एसा मधुर सूतीया म परिणत हो जाते हैं, जो आगे चलकर हमारे व्यक्तिआत्मविश्वास और पेशेवर पहचान को गहराई से प्रभावित करती है। वर्षों के संतु अध्ययन, तैयारी, त्र प्रतीक्षा और कठिन संर्धा के बाद जब किसी प्रतिष्ठित महाविद्यालय में नियुक्त मिलती है, तो मन में एक सार कई भावानाएं उमड़ती हैं। उत्साह, संकोच, जिम्मेदारी और भविष्य को लेकर एक अनेकी सी आशा आपके हुंकारों से धेर लेती है। शाहजहांपुर के एक प्रतिष्ठित विद्यालय में मेरा पहला दिन भी बिल्कुल ही था। भावनाओं का सुंदर संगम, बहौल का सार्थ और सीधने के

आपचारकता का बाज़ था और न ही प्रतिस्पद्य को कठारता, था तो बस एक सहयोग भाव, जो किसी भी नए व्यक्तिके लिए सबसे बड़ी ताकत होता है। फिर आया वह क्षण, जिसका सबसे अधिक इंजतार था—पहली कक्षा लेने का। हाथ में चाक और उपस्थिति रजिस्टर लिए जब मैं कक्षा में पहुंचा, तो लाभग अरसी छात्रों की निगाहें मेरी ओर उटीं। यह क्षण अत्यन्त भावुक और चुनौतीपूर्ण था। उनके लिए मैं एक नया शिक्षक था और मेरे लिए वे भवित्य के निर्माण की जिम्मदारी। मैंने मुस्कुराते हुए अभियान किया और छात्रों की अंखों में सम्मान के साथ—साथ उत्सुकता की चमक महसूस की। मैंने अपना संक्षिप्त परिचय दिया और उनसे भी अपेक्षा बारे में बताने को कहा। विद्यार्थियों की प्रतिक्रियाएं सुनकर यह समझ आ गया कि कक्षा में

विविध पृष्ठभूमि, अलग - अलग विचार और सीखने की भिन्न गति वाले छात्र मौजूद हैं और इन्हें के बीच मैं आने वाले दिनों में अपनी शिक्षण - यात्रा को आकार दूंगा ।
व्याख्यान के दौरान छात्रों की उत्सुकता, प्रश्न पूछने की सहजता और ध्यान से सुनने का स्वभाव देखकर मन का सारा तनाव समाप्त हो गया । यह अनुभव किसी औपचारिक पाठ्य प्रस्तुति जैसा नहीं, बल्कि एक संवाद जैसा था, जहां ज्ञान का आदान - प्रदान दोनों तरफ से हो रहा था । कक्षा के अंत में जब छात्रों ने तालियों के साथ मेरा स्वागत किया, तो हृदय गर्व और कृतज्ञता से भर उठा । यही वह पल था, जिसने मुझे एहसास दिलाया कि शिक्षक की भूमिका केवल विषय पढ़ाने तक सीमित नहीं होती, बल्कि वह छात्रों के जीवन में प्रेरणा, मार्गदर्शन और सकारात्मक ऊर्जा का स्रोत भी बनती है ।
पहली कक्षा के बाद विभाग में लॉटोरे हुए कई शिक्षकों ने उत्सुकता से

पूछा - 'पहले दिन का अनुभव कैसा रहा ?' उनकी आत्मीयता ने दिन को और भी सुखद बना दिया। चाही की गरमा-गरम दुखकी के साथ जब हम शिक्षण-प्रक्रिया, विभागीय गतिविधियों और छात्रों की संभावनाओं पर बातचीत कर रहे थे, तब महसूस हुआ कि यह महाविद्यालय केवल एक संस्था नहीं, बल्कि एक जीवन परिवार है, जिसे ज्ञान, सहयोग और सामूहिक प्रयत्नों ने एक सूख में बांध रखा है। दोपहर में मुझे प्राचार्य महोदय के साथ बैठक में शामिल होने का अवसर मिला। वहां वार्षिक गतिविधियों की रूपरेखा, अनुसंधान परियोजनाएं, छात्रों के अतिरिक्त विकास की योजनाएं तथा नई शिक्षण तकनीकों पर चर्चा के साथ ही साथ मुझे कई नई जिम्मेदारियां सौंपी गईं। यह देखरेख मन अति प्रसन्न हुआ कि संस्था केवल औपचारिक शिक्षण तक सीमित नहीं, बल्कि विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के प्रति सजग और प्रतिवद्ध है। इस बैठक में मेरा सुझाव भी सुना गया, जिससे मेरा आत्मविश्वास और बढ़ गया।

– शाश्वत शुद्धिला, शाहजहांपुर

